हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 140 | देहरादून, शुक्रवार 24 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

आने वाली सदी उत्तराखंड की है : सतपाल महाराज 3

मुख्यमंत्री ने टनल के प्रवेश द्वार पर स्थित बाबा बौखनाग का लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय राज्य मंत्री ने स्वयं जाकर टनल में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में ली जानकारी

- टनल में स्थापित ऑडियो कम्युनिकेशन सेटअप के माध्यम से अंदर फंसे श्रमिकों से मुख्यमंत्री की बात
- रात दिन बचाव कार्य में जुटे लोगो के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा: मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी
- प्रधानमंत्री मोदी ले रहे पल-पल की ख़बर : मुख्यमंत्री
- फंसे श्रमिकों को बाहर निकलना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी , 24 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल (रिटा.) वीके सिंह ने सिलक्यारा, उत्तरकाशी पहुंचकर सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने टनल में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में जानकारी ली।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनल के प्रवेश द्वार पर स्थित बाबा बौखनाग के मंदिर पर शीश नवाते हुए आशीर्वाद लिया एवं सभी श्रमिकों के जल्द रेस्क्यू होने की कामना की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टनल विशेषज्ञ प्रो अर्नोल्ड डिक्स से सुरंग में चल रहे रेस्क्यू अभियान के तकनीकी पक्ष के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनल में स्थापित ऑडियो कम्युनिकेशन सेटअप के माध्यम से अंदर फंसे श्रमिकों से बात की। उन्होंने श्रमिकों का हाल चाल जानते हुए उनका हौसला आफजाई की। श्रमिकों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी निरंतर स्थिति पर नजर बनाएं हुए हैं और नियमित रूप से रेस्क्यू अभियान की प्रगति की जानकारी ले रहे हैं। पूरा देश आपके साथ खड़ा है। राज्य सरकार भी हर स्थिति में आपके साथ खड़ी है। सभी श्रमिक भाई हौसला बनाएं रखें।

मुख्यमंत्री ने रेस्क्यू ऑपरेशन में रात दिन जुटे श्रमिकों से भी बात कर उनकी पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा आप सभी की मेहनत से रेस्क्यू कार्य सफलता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा टनल में फंसी बहुमूल्य जिंदगियों को बचाने में श्रमिकों का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा रेस्क्यू ऑपरेशन में रात दिन जुटे श्रमिकों को किसी तरह की दिक्कत ना हो इसका भी विशेष ध्यान रखा गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ड्रिलिंग के दौरान पाइप के मुहाने पर फंसे धातु के टुकड़ों को पाइप के अंदर रेंगकर काटने के अत्यंत दुष्कर कार्य को सफलता पूर्वक अंजाम देने वाले श्रमिक प्रदीप यादव एवं बलविंदर की भी सराहना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऑगर मशीन से ड्रिलिंग की प्रक्रिया की भी जानकारी ली। उन्होंने टनल में फंसे श्रमिकों को भेजे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। मुख्यमंत्री ने कहा श्रमिकों को निकालने के लिए हर संभव प्रयास जारी रहे। हम सभी की प्राथमिकता उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय राज्य मंत्री ने राहत बचाव कार्य में जुटे एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस जवानों स्वास्थ्य कर्मियों एवं इंजीनियरो से भी मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन, एमडी एनएचआईडीसीएल महमूद अहमद, कमिश्नर गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडे, सचिव डॉ. नीरज खैरवाल, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला, पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

मातली में बना अस्थाई सीएम कैम्प कार्यालय, इगास कार्यक्रम स्थगित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 24 नवंबर , सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन के मद्देनजर मातली में अस्थाई रूप से मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बनाया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान शासकीय कार्य भी प्रभावित न हों और इस ऑपरेशन की बेहतर तरह से मॉनिटरिंग के मद्देनजर यह अस्थाई कैम्प कार्यालय स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तरकाशी में हैं। मुख्यमंत्री ने सिलक्यारा पहुँचकर टनल रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया और यहां मौजूद विशेषज्ञों के साथ भी उन्होंने मंत्रणा की। इसी क्रम में अब अहम निर्णय लेते हुए फिलहाल जब तक रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है तब तक के लिए मातली में जहां मुख्यमंत्री ठहरे हुए हैं वहीं पर अस्थाई रूप से सीएम कैम्प कार्यालय भी बना दिया गया है।

इगास पर सीएम आवास में होने वाला कार्यक्रम स्थगित :

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल (रिटा.) वीके सिंह ने सिलक्यारा, उत्तरकाशी में टनल रेस्क्यू ऑपरेशन का जायज़ा लेने के उपरांत राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा हेतु बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी एजेंसी आपसी समन्वय के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटे रहें। हम सब का यह प्रयास हो की फंसे श्रमिकों को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकाला जाए। फंसे श्रमिकों को निकालने हेतु हर संभव प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को टनल में फंसे श्रमिकों का विशेष ध्यान रखे जाने हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने कहा अंदर श्रमिकों की मांग अनुसार हर संभव सामग्री उपलब्ध कराई जाए। हर दिन डॉक्टरो से उनकी बात करवाई जाए। साथ ही श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बीच निरंतर संवाद कायम करवाया जाए।

इस दौरान बैठक में प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार एवं उत्तराखंड सरकार के विशेष कार्याधिकारी भास्कर खुल्बे, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन, एमडी एनएचआईडीसीएल महमूद अहमद, कमिश्नर गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडे, आई.जी गढ़वाल करन सिंह नगन्याल, विधायक संजय डोभाल, विधायक सुरेश चौहान, सचिव डॉ. नीरज खैरवाल, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला, पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

आ गया इंटरनेट का बाप, स्पीड ऐसी कि सुनते ही उड़ जाएंगे होश

न्यूज वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 नवंबर , चीन की एक कंपनी का दावा है कि उसने दुनिया का सबसे तेज इंटरनेट (World Fastest Internet) लॉन्च किया है. कंपनी की मानें, तो उसका नेटवर्क 1.2 टेराबिट (TB) प्रति सेकंड की स्पीड से डेटा ट्रांसमिट करने में सक्षम है. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, हुआवेई टेक्नोलॉजीज ने दुनिया का सबसे फास्ट इंटरनेट लॉन्च करने का दावा किया है. कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट वांग लेई ने बताया कि इस नेटवर्क से सिर्फ एक सेकंड में 150 हाई-डेफिनेशन (HD) फिल्मों के बराबर डेटा ट्रांसमिट कर सकता है.

10 गुना ज्यादा है स्पीड

हुआवेई टेक्नोलॉजीज (HUAWEI Technologies) का इंटरनेट से 1.2 टेराबिट डाटा प्रति सेकंड ट्रांसमिट कर सकता है. इंटरनेट की यह स्पीड इस समय मौजूद प्रमुख इंटरनेट रूट्स की तुलना में करीब दस गुना ज्यादा है. पहले बताया जा रहा था कि चीन यह इंटरनेट स्पीड 2025 में हासिल कर पाएगा, लेकिन उसने समय से पहले ही इसमें कामयाबी को हासिल कर ली है. कंपनी ने इसे टेस्टिंग के लिए जुलाई में एक्टिव किया था और अब इसे ऑफिशियल तौर पर लॉन्च कर दिया गया है. दुनिया के इस सबसे तेज इंटरनेट के लिए सिंघुआ विश्वविद्यालय, चाइना मोबाइल, हुआवेई टेक्नोलॉजीज और सेर्नेट कॉर्पोरेशन ने मिलकर काम किया है.

अमेरिका को पीछे छोड़ा

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट बताती है कि चीन का नया बैकबोन नेटवर्क देश के प्रमुख शहरों को जोड़ने वाला एक डेटा हाईवे है. 3000 किलोमीटर से ज्यादा तक फैला यह नेटवर्क एक व्यापक ऑप्टिकल फाइबर केबलिंग प्रणाली के माध्यम से बीजिंग, वुहान और गुआंगजो को कनेक्ट करता है.

ये इंटरनेट प्रति सेकंड 1.2 टेराबिट्स यानी 1,200 गीगाबिट्स की शानदार स्पीड देता है. बता दें कि दुनिया के अधिकांश इंटरनेट बैकबोन नेटवर्क केवल 100 गीगाबिट प्रति सेकंड पर काम करते हैं. अमेरिका ने हाल ही में 400 गीगाबिट प्रति सेकंड पर अपनी पांचवीं पीढ़ी के इंटरनेट पर काम पूरा किया है.

एक नई क्रांति की शुरुआत

यह नेटवर्क वास्तव में कितना तेज है, इसे समझाने के लिए हुआवेई टेक्नोलॉजीज के उपाध्यक्ष वांग लेई ने बताया कि यह केवल एक सेकंड में 150 हाई-डेफिनिशन फिल्मों के बराबर डेटा ट्रांसफर कर सकता है. वहीं, चाइनीज एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग से एफआईटीआई प्रोजेक्ट लीडर वू जियानपिंग ने कहा कि यह प्रयोग न केवल एक सफल रहा बल्कि यह चीन को और भी तेज इंटरनेट बनाने के लिए उन्नत तकनीक देता है. यह इंटरनेट की दुनिया में एक नई क्रांति है.

40 की हो चुकी महिलाएं ध्यान दें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 नवंबर , बढ़ती उम्र के साथ ही धीरे-धीरे हमारे शरीर में पोषण की कमी आने लगती है। खासतौर से महिलाओं की बॉडी में विटामिन और कई जरूरी मिनरल्स की कमी आने लगती है। 40 की उम्र के बाद महिलाओं को ज्यादा पोषण की जरूरत पड़ती है।

इसके कारण शरीर में आए हार्मोनल बदलाव और बढ़ती उम्र दोनों ही हैं।कई बार युवा अवस्था में महिलाएं अपने खान-पान और जीवनशैली को लेकर बहुत लापरवाही करती हैं। जिसका नतीजा आगे चलकर बढ़ती उम्र के साथ तेजी से नजर आने लगता है। बच्चे होने के बाद और शरीर में हार्मोनल बदलाव होने से महिलाओं का शरीर कमजोर हो जाता है,जो जल्दी बीमारियों की चपेट में आ सकता है। ऐसे में 40 साल की उम्र के बाद महिलाओं को जरूरी विटामिन के लिए अपनी डाइट में जरूरी फूड आइटम्स शामिल करना चाहिए।

महिलाओं के लिए कौन-कौन से विटामिन जरूरी :

विटामिन ई (Vitamin E)

उम्र बढ़ने के साथ ही महिलाओं के फेस पर भी झुर्रियों दिखने लगती हैं। ऐसे में विटामिन ई से भरपूर खाने की चीजें शामिल करना चाहिए। इससे स्किन, हेयर और नाखून हेल्दी बने रहेंगे। विटामिन ई से एंजिग और दाग-धब्बों की परेशानी को भी कम किया जा सकता है। इसके लिए डाइट में बादाम, पीनट बटर और हरी सब्जियां जैसे-पालक,सिरियल जर्म आदि चीजें शामिल करें।

विटामिन डी (Vitamin D)

उम्र बढ़ने पर महिलाओं को हड्डियों से जुड़ी बीमारियां भी परेशान करती हैं। इसके लिए टाइम पर विटामिन डी से भरपूर डाइट और सप्लीमेंट्स लेते रहना चाहिए। महिलाओं की बॉडी में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी से हड्डियों में दर्द की परेशानी सबसे अधिक परेशान करने लगती है। इसके लिए रोज सुबह उठकर धूप में आधा घंटा बैठें और खाने में दूध, पनीर, मशरूम, सोया, मक्खन, दलिया, फिश और अंडे का सेवन करें।

आखिर रात में क्यों और कैसे चमकते है जुगनू? जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 नवंबर , आपने रात में जुगनुओ को जगमगाते जरूर देखा होगा। वैसे शहरो में ये बहुत ही कम देखने को मिलते है, लेकिन गाँवों में ये खूब होते है। हालाँकि गाँवो में भी अब इनकी संख्या धीरे धीरे गिरती जा रही है।

जुगनू को देखकर अक्सर कई लोगो के मन में ख्याल आता है कि ये रात में ही क्यों चमकते है। ऐसे में आप के इस सवाल का जवाब हम आज इस पोस्ट के माध्यम से देने जा रहे है ।बता दे विश्वभर में जुगनुओं की 2000 से भी ज्यादा प्रजातियां पायी जाती है। वहीं जुगनुओ की चमक भी तीन रंग की होती है, हरी, लाल और पीली। वैसे जुगनुओ के चमकने का मुख्य उद्देश्य मादा को आकर्षित करना और भोजन तलाशना होता है

वैसे आप नर और मादा जुगनू में आसानी से अंतर पता कर सकते है। दरअसल मादा जुगनू के पंख नहीं होते है, जिस वजह से वे एक ही जगह पर चमकती है। वे पेड़ो की छालो में अंडे देते है और उनके अंडे भी चमकते है। हमारे देश में जुगनू की कई प्रजातियां मौजूद है, लेकिन सब तेज रौशनी से चमकने वाले जुगनू वेस्ट इंडीज और दक्षिण अमेरिका में पाए जाते है।

कैसे चमकते है जुगनू

जुगनू वैसे तो कई सालो से पृथ्वी पर मौजूद है। लेकिन सोलहवीं सदी में वैज्ञानिक रोबर्ट बॉयल ने इनमे रूचि ली। 1667 में उन्होंने दावा किया था कि जुगनू के शरीर में फास्फोरस होता है, जिस वजह से ये चमकते है। लेकिन बाद में इस दावे को ख़ारिज कर दिया गया।

इसके बाद 1794 में Lazzaro Spallanzani नाम के एक वैज्ञानिक ने साबित किया कि जुगनू में ल्युसिफेरिन नाम का एक प्रोटीन होता है, जो कि ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर चमकने लगता है। बता दे जुगनू में ये प्रोटीन उनके पाचन से संबंधित होता है।

आने वाली सदी उत्तराखंड की है : सतपाल महाराज

■ पोखड़ा को 13 करोड़ की योजनाओं की मिली सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 24 नवंबर , प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने अपने विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के दूसरे दिन विकासखण्ड पोखड़ा को पीडब्ल्यूडी, सिंचाई और पंचायत की 13 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं का तोहफा दिया। प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने जनता इण्टर कालेज, तिलखोली, पोखड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण, सिंचाई, लघु सिंचाई और पंचायत विभाग की 1304.37 लाख की लागत की योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करते हुए कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विकास की गंगा बह रही है। जिस प्रकार से प्रदेश में विकास कार्यो के नित नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे उससे स्पष्ट है कि आने वाली सदी उत्तराखंड की है।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने इस दौरान पोखड़ा के अन्तर्गत 62.45 लाख की धनराशि से देवराजखाल जयखाल मोटर मार्ग के मध्य घरतोली बैंड तक हुए डामरीकरण, सुदृढीकरण, 142.71 लाख रुपए से हुए लटिबों-दलिबो से नाई मोटर मार्ग के डामरीकरण, 68.07 लाख रुपए से संगलाकोटी भैड़गांव-गुडिण्डा मोटर मार्ग के 5 से 9 किमी0 में हुए मरम्मत एवं पी०सी० द्वारा नवीनीकरण कार्य, जिला योजना के अन्तर्गत 6 लाख की धनराशि से हुए संगलाकोटी-भैडगांव-गुडिण्डा मोटर मार्ग के बडोलगांव से पठोलगांव तक विस्तार के तहत स्कपर व दीवारों का निर्माण कार्य, बिजोरापानी-कुण्जखाल-कोलाखाल-जयकोट मोटर मार्ग के 13, 14, 15 एवं 16 किमी0 में 56.18 लाख की धनराशि से पी०सी० द्वारा नवीनीकरण आदि कुल 6 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया।

उन्होंने 50 लाख की लागत के ग्राम पंचायत दणखण्डा, गवाणी, सल्ड के पंचायत भवनों का लोकार्पण तथा ड्वीला तल्ला, पाली पंचायत भवनों का शिलान्यास करने के साथ-साथ ग्राम पंचायत बोरगांव, कमेड़ी, कुणज, गडोली, कुई तथा गंवाणी (कुल 06) ग्राम पंचायतों को 2.70 लाख की धनराशि के कम्प्यूटर भी वितरण किये।

इस अवसर पर वरिष्ठ युवा भाजपा नेता सुयश रावत, पोखड़ा ब्लाक प्रमुख प्रीति देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रभु शरण बुडाकोटी, महिपाल सिहं, योगेन्द्र सिहं, सुभाष जोशी, राजपाल रावत, सुनील कुमार, दीपा देवी, अनीता देवी, एकता देवी, पुष्कर जोशी, बलवन्तसिह नेगी, धर्मेन्द्र सिंह रावत, भगत सिह रावत, नरेश सुंदरियाल, मदन सिह नेगी, मस्तराम, महिप बडोला, दलीप विष्ट, राकेश रावत, सुधीत धस्माना, शैलेन्द्र दर्शन, शुभम रावत, राकेश गौड सहित आदि उपस्थित थे।

वन पंचायतों एवं वन से लगे क्षेत्रों में जड़ी-बूटी के उत्पादन पर मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 24 नवंबर , मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में प्रदेश के वन पंचायत में जड़ी-बूटी उत्पादन के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों के साथ बैठक आयोजित हुयी। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में वन पंचायतों एवं वन से लगे क्षेत्रों में जड़ी-बूटी के उत्पादन की दिशा में कार्य शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि इसके लिए शीघ्र ही एक फेडरेशन का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी ऐसी इच्छुक वन पंचायतों को, जो हर्बल अरोमा टूरिज्म पार्क के लिये मानदंडों को पूरा करता है, इसमें शामिल किया जाये। इसके लिए डीएफ़ओ के माध्यम से शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए।

उन्होंने कहा कि वन पंचायतों के क्षेत्र विस्तार (बड़ी वन पंचायतें) के बजाय इच्छुक वन पंचायतों को प्राथमिकता दी जाए, इससे सफलता की अधिक संभावनाएँ हैं। उन्होंने छोटे और बड़ी मूल्य संवर्धन इकाइयों पर भी फोकस किए जाने के निर्देश दिये। कहा कि प्रदेश में अधिक से अधिक वैल्यू एडिशन यूनिट तैयार की जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि किस विभाग और अधिकारी को क्या करना है इसकी जानकारी के लिए अगले दो तीन सप्ताह में वर्कशॉप का आयोजन कर लिया जाए। उन्होंने प्रत्येक स्तर पर जो भी कार्य होने हैं उसके लिए तिथि सहित समय सीमा निर्धारित कर ली जाएँ। उन्होंने औषधीय पौधों की नर्सरी भी समय से तैयार हो जायें इसके लिए भूमि चयन एवं अन्य तैयारियाँ भी साथ साथ शुरू की जाएँ। उन्होंने कहा कि इसमें जिलाधिकारी एवं डीएफओ को महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। इसके लिए डीएम, डीएफ़ओ एवं ज़िला उद्यान अधिकारी लगातार बैठकें आयोजित कर योजना को गति देने का कार्य करें। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, पीसीसीएफ डॉ. धनंजय मोहन, सीसीएफ डॉ. पराग मधुकर धकाते, सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी एवं निदेशक सेंटर फॉर एरोमैटिक प्लांट डॉ. निरपेंद्र चौहान सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

शोरूम लूट का मुख्य अभियुक्त अभिषेक उर्फ अखिलेश उर्फ गांधी गिरफ्तार

दून पुलिस ने खोद निकाला लुटेरे अभिषेक उर्फ़ गांधी को

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 24 नवंबर , राजपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में हुई लूट की घटना की में बिहार में मौजूद पुलिस टीमों ने राजेपुर थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर से घटना में शामिल एक मुख्य अभियुक्त अखिलेश उर्फ अभिषेक उर्फ गांधी पुत्र स्वर्गीय वैद्यनाथ सिंह निवासी ग्राम बसंतपुर थाना बांझपट्टी जिला सीतामढ़ी बिहार, उम्र 24 वर्ष को एक स्कॉर्पियो वाहन सहित पूछताछ के बाद विधिवत गिरफ्तार किया गया । पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त से देहरादून में की गई घटना की विस्तृत पूछताछ की गई ।

प्रारम्भिक पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त अभिषेक द्वारा रायगंज पश्चिम बंगाल में दिनांक 13/4/23 को रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में हुई 30 करोड़ रु0 कीमत की ज्वैलरी डकैती की घटना में भी अपनी अहम भूमिका होना बताया, जिसके आधार पर पश्चिम बंगाल पुलिस को अभियुक्त की गिरफ्तारी व रायगंज मैं हुई घटना की पूर्ण जानकारी व घटना मैं शामिल अभियुक्तों के संबंध में जानकारी दी गयी।

दून पुलिस द्वारा जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा बिहार पहुँचकर दून पुलिस की हिरासत में अभियुक्त अभिषेक से रायगंज में डकैती की घटना के संबंध में पूछताछ की गईं। अभियुक्त अभिषेक को आज ट्रांजिट रिमांड हेतु बिहार में माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगादून पुलिस द्वारा उनकी घटना के अनावरण मैं महत्वपूर्ण सहयोग देने हेतु पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा सराहना व धन्यवाद किया गया।

पिता की कही ये 5 बातें, बच्चों को बनाती हैं समझदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 नवंबर , बच्चों को एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा उसके माता-पिता से ही सबसे पहले मिलती है. पैरेंट्स जो करते हैं, बोलते हैं, जैसा व्यवहार आपस में एक-दूसरे के साथ अपनाते हैं, वही बातें बचपन से बच्चे भी देखते, सीखते और सुनते हैं. आगे चलकर वे भी अपने पैरेंट्स की ही तरह बनते भी हैं. खासकर, पिता का सबसे अधिक असर बच्चों के जीवन पर पड़ता है, क्योंकि बच्चे अपने पापा से अधिक प्रभावित होते हैं. उन्हें अपना रोल मॉडल मानते हैं. अपने डैडी को ही बच्चे अपना हीरो समझते हैं. ऐसे में एक फादर की पूरी जिम्मेदारी बनती है कि वे भी मां की ही तरह अपने बच्चों की तरफ ध्यान दें. उन्हें अच्छी बातें सिखाएं, बुरी आदतों से दूर रहने के लिए कहें. अच्छे-बुरे में फर्क करना बताएं. ऐसे में पिता को अपने बच्चों को कुछ बातें जरूर बतानी-समझानी चाहिए, जो बच्चे के जीवन में खास छाप छोड़े. उन्हें एक नेक इंसान बनाए. तो चलिए जानते हैं पिता को कौन-कौन सी बातें अपने बच्चों को जरूर सिखानी चाहिए.

पिता जरूर सिखाएं, बताएं अपने बच्चों को ये बातें

1. दूसरों का करें सम्मान- किसी भी व्यक्ति का सम्मान करना एक अच्छी आदत है. यदि आप दूसरों का सम्मान करते हैं तो अपने बच्चों को भी ऐसा करने के लिए कहें. साथ ही उन्हें ये भी बताएं कि किसी भी इंसान का सम्मान करना, उसके साथ इज्जत से पेश आने में कोई छोटा नहीं हो जाता है. आप सामने वाले की बातों की कद्र करेंगे, उसे सम्मान देंगे तो वह भी आपको उतनी ही इज्जत देगा. सम्मान की भावना आपके अंदर नहीं होगी तो कोई भी आपकी कद्र नहीं करेगा.

2. गलती को स्वीकार करना सिखाएं- हमेशा अपने बच्चों को गलती एक्सेप्ट करना सिखाएं. कुछ लोग गलती करने के बाद भी जिद पर अड़े रहते हैं कि उन्होंने कुछ नहीं किया है और दूसरों से झगड़ पड़ते हैं. यदि आप भी घर के मुखिया होकर कोई गलती कर देते हैं तो उसे स्वीकार करें. आपमें ये क्वालिटी आपके बच्चे देखेंगे तो वो भी अपनी गलतियों को मान लेंगे. आप अपनी गलतियों के लिए मांफी मांगते हैं तो बच्चे भी ऐसा जरूर करेंगे.

3. हार को गलत ना समझना- अक्सर बच्चे किसी भी प्रतियोगिता में हार कर रोने लगते हैं. हार जाने को गलत या बुरा समझते हैं. धीरे-धीरे बच्चा हारने के डर से कॉम्पटीशन में हिस्सा लेने से कतराने लगता है. एक पिता होने के नाते अपने बच्चों को समझाएं कि हारने में कोई बराई नहीं है. एक कॉम्पटीशन में हार जाने या कम रैंक लाने से जीवन खत्म नहीं हो जाती है. आगे कई मौके ऐसे आएंगे, जहां मेहनत और लगातार प्रयास से जीत भी हासिल की जा सकती है. ऐसे में बच्चों को मेहनत करने के लिए प्रेरित करते रहें.

4. प्यार जताना सिखाएं- यदि एक पिता दूसरों के साथ प्यार से पेश आए, दूसरों को प्यार बांटे तो बच्चे में भी ये आदत विकसित होती है. अगर पिता ही कड़क, गुस्सैल होंगे तो बच्चे भी इस आदत को अपनाएंगे और किसी से प्यार से पेश नहीं आएंगे. हमेशा दूसरों से खीझकर, गुस्से में बात करेंगे. यदि आप किसी की परवाह करते हैं, उससे बेइंतहा मुहब्बत करते हैं तो ये जताना भी जरूरी है, फिर चाहे रिश्ता कोई भी क्यों ना हो.

5. काम कोई छोटा-बड़ा नहीं होता- घर के मुखिया होने के नाते यदि आप अपने काम को ही बड़ा और बेहतर समझे, घर के कामकाज को छोटा तो बच्चे भी ऐसा ही सोचने लगेंगे. घर के काम लड़कों नहीं, सिर्फ लड़कियों को ही करना चाहिए जैसी बातें बच्चों के सामने कहने से भी बचना चाहिए. आप बच्चे को बताएं कि कोई भी काम छोटा-बड़ा नहीं होता है. घर का काम हो या बाहर का, बेटा-बेटी सबको करना चाहिए.

जीमेल के ईमेल को हिंदी में कर सकते हैं ट्रांसलेट, ये है सबसे आसान तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 नवंबर , अगर आप गूगल में जीमेल अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं तो बता दें कि आप जीमेल में आने वाले ईमेल को आसानी से दूसरी भाषा में ट्रांसलेट कर सकते हैं। इसके लिए गूगल ने अपने ग्राहकों के लिए जीमेल में इन ऐप ट्रांसलेट फीचर उपलब्ध कराया है। इस विशिष्टता का उपयोग किया जाता है।

अगर आप गूगल में जीमेल अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं तो बता दें कि आप जीमेल में आने वाले ईमेल को आसानी से दूसरी भाषा में ट्रांसलेट कर सकते हैं। इसके लिए गूगल ने अपने ग्राहकों के लिए जीमेल में इन ऐप ट्रांसलेट फीचर उपलब्ध कराया है। इस विशिष्टता का उपयोग किया जाता है। Google का नाम दुनिया की दिग्गज कंपनियों में शामिल है। टेक की दुनिया से वास्ता रखने वाले हर स्पेसिफिक ने गूगल के क्रोम ब्राउजर का कभी भी इस्तेमाल नहीं किया होगा। गूगल ने अपने शानदार यूजर के लिए सिर्फ क्रोम ही नहीं बल्कि यूट्यूब, जीमेल, ट्रांसलेशन, गूगल मैट्रिया, गूगल गूगल जैसे कई सारे ऐप्स भी उपलब्ध कराए हैं, जिनमें डेली रूटीन का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। गूगल अपने ग्राहकों को ऐसे कई फीचर्स भी उपलब्ध कराता है जिनमें रेनॉल्ट के कई कठिन काम आसान हो जाते हैं। ऐसी ही एक खासियत है ई-मेल्स का अनुवाद। आइए आपको इसके बारे में विवरण से लेकर ट्यूटोरियल तक बताते हैं।

असल गूगल अपने जीमेल ऐप में कई सारे बेहतरीन फीचर्स देता है जिससे हम आसानी से अपना काम कर सकते हैं। लेकिन ज्यादातर लोग जीमेल में मिलने वाले खास फीचर्स के बारे में नहीं जानते। जीमेल में ऐसी ही एक खासियत है इन ऐप लैंगवेज ट्रांसलेट करने का। आप भी किसी एक ईमेल को उस भाषा में ट्रांसलेट कर सकते हैं जिसमें आप पढ़ना चाहते हैं।

खासियत का ये लोग कर सकते हैं इस्तेमाल

जीमेल के इन ऐप लैंगवेज ट्रांसलेशन फीचर का इस्तेमाल करके आप आसानी से कोई भी मेल को अपनी भाषा में बदल सकते हैं। Google ने यह विशेष एंड्राइड, स्वादिष्ट और वेब श्रेणी ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराई है। बता दें कि गूगल की तरफ से कुछ समय पहले ही यह फीचर रोलआउट किया गया है। इससे पहले यह सुविधा सिर्फ जीमेल वेब उपभोक्ता ही इस्तेमाल कर सकते थे। आप इस विशिष्टता की

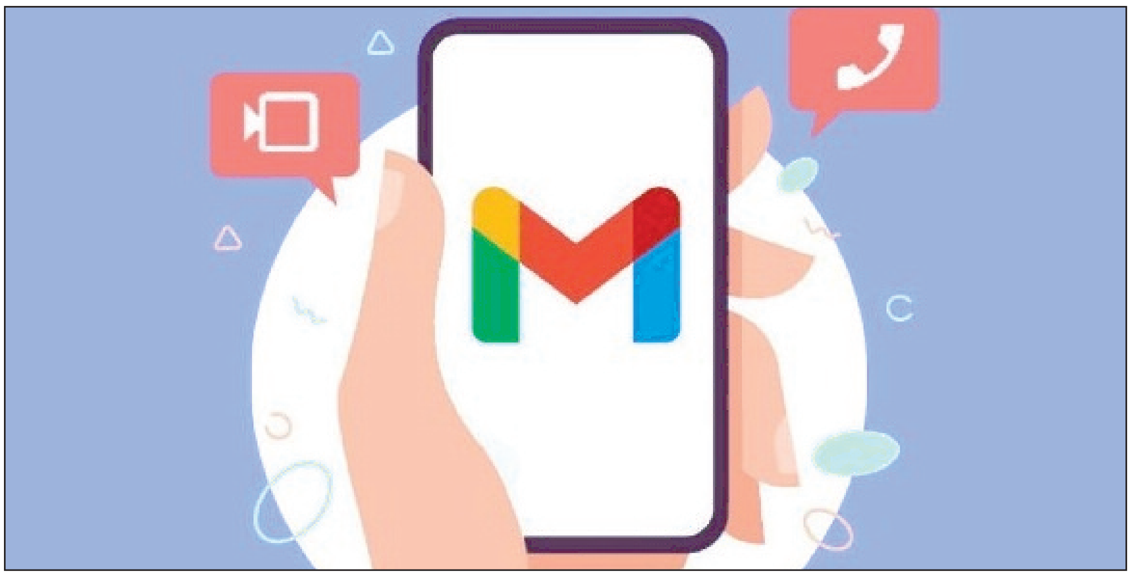

मदद से प्राप्त मेल को करीब 100 अलग-अलग समुद्र में कुछ ही सेकंड में ट्रांसलेट कर सकते हैं।

जीमेल ऐप पर अंग्रेजी मेल का हिंदी में इस तरह से अनुवाद करेंसबसे पहले आपको अपने टेक्नोलॉजी के जीमेल ऐप पर अपडेट करना होगा।अब आपको उस मेल को खोलना होगा जिसे आप अपनी भाषा में ट्रांसलेट करना चाहते हैं। अब आपको मेल के टॉप-कॉर्नर पर 3 डॉट्स दिखाई देने पर क्लिक करें।यहां आपको ट्रांसलेशन का अपॉइंटमेंट मिलेगा। इस एप्लिकेशन पर क्लिक करें।अब आपको एक सेटिंग का आईकन दिखाई देगा, इस पर क्लिक करें। सेटिंग के प्लेसमेंट पर क्लिक करें आप उस भाषा का चुनाव कर सकते हैं जिसमें ईमेल ट्रांसलेट करना है। आपको अंग्रेजी टू हिंदी का चयन करना पसंद है, आपका मेल आसानी से ट्रांसलेट हो जाएगा।

शर्ट और बुशर्ट में अंतर की गजब है जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 नवंबर , शर्ट एक ऐसा कपड़ा बन चुका है जो जेंडर न्यूट्रल है, यानी महिला और पुरुष दोनों ही शर्ट पहनते हैं. स्कूल-कॉलेज से लेकर ऑफिस तक में लोग शर्ट पहनते हैं. पर कई बार लोग बुशर्ट शब्द का भी इस्तेमाल करते हैं. आखिर इन दोनों में फर्क क्या है? क्या ये दोनों अलग हैं या फिर सिर्फ उच्चारण अलग-अलग होता है पर दोनों एक ही तरह के कपड़े को कहते हैं? जो लोग शर्ट पहनते होंगे, उन्हें भी इसके बीच का भेद नहीं पता होगा. चलिए आपको बताते हैं.

आज के शर्ट पुराने कथित बुशर्ट और शर्ट का हाइब्रिड हैं.

हम आपके लिए लेकर आते हैं देश-दुनिया से जुड़ी ऐसी जानकारियां जो हैरान करने वाली होती हैं. आज हम बात करेंगे शर्ट और बुशर्ट के बीच फर्क की. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी ने हाल ही में सवाल किया- "शर्ट और बुशर्ट में क्या अंतर होता है?" चलिए आपको इसका जवाब बताते हैं, पर उससे पहले जान लीजिए कि लोगों ने इसका जवाब क्या दिया है.

1955-60 के समय एक शर्ट या कमीज होती थी. जो आधी खुली होती थी. आज के शर्ट जैसा टाई कॉलर होता था. शेष आधे भाग में एक प्लेट बनी होती थी. नीचे से गोलाकार होती थी. पैंट में अंदर करने, टाई लगाने, कोट के साथ शर्ट ही पहना जाता था. ये ऑफिसों में पहनी जाती थी. बुशर्ट पूरा खुला तथा नीचे से चौकोर होता था. कॉलर कोट जैसा चपटा लेकिन छोटा होता था. इसमें गले में बटन नहीं लगाते थे खुली रहती थी." एक शख्स ने कहा- "शर्ट आधी बांह के पुरुष मनीला को कहते हैं बुशर्ट पूरी बांह के. होजियरी से बने कॉलर या बिना कॉलर के आधी बांह वाले को टी शर्ट कहते हैं. इसका आकार अंग्रेजी वर्णमाला के T की तरह होता है."

कॉर्बेट पार्क का गुनहगार हुआ कैद मगर राम बहादुर की नहीं बच पाई जान

पीसीसीएफ डॉ समीर सिन्हा और कॉर्बेट डायरेक्टर डॉ. धीरज पांडे की सूझबूझ आई काम

डॉ. समीर सिन्हा, पीसीसीएफ वन्य जीव

डॉ.धीरज पांडे, डायरेक्टर, कॉर्बेट नेशनल पार्क

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रामनगर,23 नवंबर। कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व की ढिकाला रेंज में ढिकाला वन परिसर की सोलर फेंसिंग सफाई हेतु 5 श्रमिक कार्य कर रहे थे, जिनकी सुरक्षा हेतु दो हथियारबंद वन कर्मचारी तैनात थे। इसी दौरान दैनिक श्रमिक 57 वर्षीय राम बहादुर पर बाघ द्वारा अचानक हमला कर दिया गया। मौके पर मौजूद हथियारबंद वन कर्मचारियों द्वारा 10 राउंड हवाई फायर कर के राम बहादुर को बाघ से छुड़ाया गया, परन्तु तबतक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम हेतु रामनगर भेजा गया है, तथा परिजनों को नियमानुसार अनुग्रह राशि के भुगतान की कार्यवाही की जा रही है।

तत्काल घटना की सूचना निदेशक कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व डॉ धीरज पाण्डेय तथा प्रमुख वन संरक्षक वन्यजीव /मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तराखंड डॉ समीर सिन्हा को दी गई तथा दूरभाष पर ही घटना हेतु चिन्हित बाघ को पकड़ने की अनुमति प्राप्त की गई।

बाघ को ट्रेनकुलाइज़ कर पकड़ने हेतु निदेशक, कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व डॉ धीरज पाण्डेय के निर्देशन मे सघन अभियान चलाया गया। इस अभियान मे 02 हाथी टीम, 1 ड्रोन टीम, त्वरित कार्यवाही दल के सदस्य तथा वेटरनरी टीम उपस्थित रहे तथा घटना हेतु जिम्मेदार चिन्हित नर बाघ को लगभग 2:30 बजे अपरान्ह सफलता पूर्वक ट्रेनकुलाइज़ कर पकड़ लिया गया। बाघ के डीएनए सैंपल CCMB हैदराबाद तथा WII देहरादून भेजे जा रहे हैं। नर बाघ की उम्र लगभग 02 वर्ष है, तथा यह पूर्ण रूप से स्वस्थ है.

इस घटना हेतु चिन्हित बाघ को पकड़ने के अभियान में निदेशक, कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व डॉ धीरज पाण्डेय, दिगंथ नायक, उपनिदेशक, अमित ग्वासीकोटी पार्क वार्डन,दुष्यंत शर्मा, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, बिन्दर पाल वन क्षेत्राधिकारी सर्पदुली रेंज, त्वरित कार्यवाही दल के सदस्य एवं अन्य वन कर्मी सम्मिलित रहे।पकड़े किये गए बाघ को सघन निगरानी में ढेला रेस्क्यू सेंटर भेजा गया है. वर्त्तमान में ढिकाला जोन के ग्रासलैंड क्षेत्र को सुरक्षा के दृष्टिगत पर्यटन सफारी हेतु प्रतिबंधित किया गया है, तथा क्षेत्र की निगरानी की जा रही है।कॉर्बेट टाइगर रिजर्व प्रशासन वनकर्मियों की सुरक्षा हेतु पूर्णतया प्रयासरत है, तथा इसे सुनिश्चित करने हेतु ड्रोन टीम, तथा त्वरित कार्यवाही दल को मौके पर तैनात किया गया है।कॉर्बेट टाइगर रिजर्व परिवार तथा वन विभाग श्री राम बहादुर के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि तथा उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। इस घटना की विस्तृत जांच के आदेश प्रमुख वन संरक्षक वन्यजीव /मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तराखंड द्वारा दिए गए हैं, जिसके क्रम में जांचोपरान्त विस्तृत रिपोर्ट निदेशक कॉर्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा दी जाएगी।

गिफ्ट लेने के साथ, देने पर भी भरना पड़ता है टैक्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 नवंबर , जब आप किसी से गिफ्ट लेते हैं तब तो आपको टैक्स देना ही होता है,लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपको गिफ्ट देने पर भी टैक्स भरना होता है. कैसे भरना होता है गिफ्ट देने पर टैक्स, आईये इस रिपोर्ट में समझते हैं।

भारत में देना होता है गिफ्ट टैक्स

पिछले कुछ दिनों त्योहारों का मेला लगा रहा. पहले नवरात्री, फिर दिवाली, उसके बाद भाईदूज। अब इन त्योहारों में गिफ्ट लेन-देन की साइकिल तो चलती ही रहती है। लेकिन क्या आपको पता है कि इन गिफ्ट पर भी आपको टैक्स देना होता है। जी हाँ भारत में गिफ्ट टैक्स देना होता है। क्या आप जानते हैं कि जब आप गिफ्ट देते हैं तो भी आप टैक्स देने के लिए बाधित होते हैं। इसका मतलब कि आप गिफ्ट लेने पर तो टैक्स देते ही हैं, बल्कि देने पर भी टैक्स देना होता है। कैसे भरना होता है गिफ्ट देने पर टैक्स, आईये समझते हैं।जब हम गिफ्ट के बारे में बात करते हैं तो जरूरी नहीं है कि हम किसी कैश, छोटे-मोटे गिफ्ट, की बात करें। गिफ्ट का तात्पर्य किसी को असेट ट्रांसफर या मॉनेटरी भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में आपको टैक्स नियम जरूर पता होने जरूरी हैं।

किराया शेयर कर रहे हैं तो?

उदहारण के तौर पर आपने अपने मकान को किराये पर दे रखा है और उसका किराया आपके रिलेटिव के पास जा रहा है। आप इसे उस रिलेटिव को दिए जा रहे गिफ्ट के रूप में देख सकते हैं। लेकिन, इसका टैक्स आपको देना पड़ेगा, क्योंकि नियमों के मुताबिक वो किराया आपकी कमाई है। उस कमाई को आपकी कमाई माना जाएगा, ऐसे में ये आपके ऊपर टैक्स के तौर पर गिना जाएगा।

बच्चे के लिए गिफ्ट

इसके साथ-साथ, एक चीज़ ये हो सकती है कि माता-पिता ने अपने बच्चे के नाम पर बैंक में अकाउंट खुलवाया है और उसमें पैसे जमा कर रहे हैं। ऐसे में बच्चे के लिए ये गिफ्ट पैरेंट्स की कमाई में से जा रहा है, लेकिन उस बच्चे के बैंक अकाउंट में जो पैसे जमा हैं, उनपर जो ब्याज बन रहा है, वो भी पैरेंट्स की कमाई में ही जोड़ा जाएगा। और इसपर टैक्स लगेगा।

SC की पहली महिला जज जस्टिस फातिमा बीवी का निधन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 24 नवंबर , सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला न्यायाधीश और तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति फातिमा बीवी का गुरुवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। फातिमा 96 वर्ष की थीं।

न्यायमूर्ति फातिमा ने हर जगह अपनी छाप छोड़ी

सुप्रीम कोर्ट यानी उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश और तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति फातिमा बीवी का केरल के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि वह 96 वर्ष की थीं. केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने न्यायमूर्ति फातिमा बीवी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश और तमिलनाडु की राज्यपाल के रूप में अपनी छाप छोड़ी.जॉर्ज ने एक बयान में कहा, 'वह एक बहादुर महिला थीं, जिनके नाम कई रिकॉर्ड हैं. वह ऐसी हस्ती थीं, जिन्होंने अपने जीवन से यह दिखाया कि दृढ़ इच्छा शक्ति और मकसद को लेकर समझ होने से किसी भी विपरीत परिस्थिति से पार पाया जा सकता है.' बता दें कि अपने लंबे और सुशोभित करियर में दिवंगत जस्टिस बीवी ने देश भर की महिलाओं के लिए एक आदर्श और आइकन के रूप में काम किया और यहां तक कि उन्होंने अपनी छाप भी छोड़ी.

कौन थीं फातिमा बीवी

दिवंगत जस्टिस फातिमा बीवी ने केरल में एक वकील के रूप में अपना करियर शुरू किया था और 1974 में जिला और सत्र न्यायाधीश बनने तक काम किया. 1980 में वह आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में शामिल हुईं और 1983 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुईं. केरल के पंडालम की रहने वालीं जस्टिस बीवी ने यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम से बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल करने से पहले पथानामथिट्टा के कैथोलिकेट हाई स्कूल में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की....

कोटक महिंद्रा के डैशबोर्ड का मंत्री गणेश जोशी ने किया उद्घाटन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 नवम्बर, कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कृषि विभाग की राज्य पोषित योजनाओं के लिए कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड द्वारा तैयार किए गए डैशबोर्ड का अनावरण किया गया। गौरतलब है कि यह प्रणाली कृषि मंत्री के निर्देशन ओर कृषि विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं सहयोग तथा महिंद्रा बैंक लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है। यह डैशबोर्ड कृषि विभाग की राज्य पोषित योजनाओं की एक क्लिक पर सभी योजनाओं की जानकारी तथा योजनाओं की धनराशि की वास्तविक समय की ट्रैकिंग और मॉनीटरिंग का एक व्यापक प्रणाली है। यह प्रणाली कृषि विभाग को राज्य योजना निधि के प्रभावी और कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। जिससे नागरिकों की खुशहाली में और वृद्धि होगी। अधिक जानकारी के लिए https://ukkrishifms.co.in/ पर क्लिक कर देख सकते हैं।

यह प्रणाली पूरी तरह से अनुकूलन योग्य है और अन्य विभागों में विभागीय अधिकारियों के समर्थन से कार्यान्वित किया जा सकता है। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विभागीय अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा निश्चित ही इस पहल के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजीटल इंडिया अभियान को मजबूती मिलेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड को डिजिटल सेक्टर में मॉडल राज्य के रूप में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा जनता को सुविधा पहुंचाने के उद्देश्य से सरकारी सेवाओं का सरलीकरण कर उन्हें ऑनलाइन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश ई-गवर्नेंस की मदद से गुड गवर्नेंस और पेपरलेस गवर्नेंस की ओर बढ़ रही है। जिससे प्रदेश के हर नागरिक में सरलीकरण समाधान और निस्तारण का भाव जगा है।

इस अवसर पर कोटक महिंद्रा बैंक वाइस प्रेसिडेंट गौरव किशोर,टेरिटरी मैनेजर नितिन गुप्ता, गौरव कुमार, नरेंद्र कुमार, प्रभारी कृषि निदेशक के सी पाठक, वित्त नियंत्रक मनीष कुमार उप्रेती, संयुक्त कृषि निदेशक ए.के उपाध्याय, दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

माता-पिता का दबाव आत्महत्या की वजह, सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 24 नवंबर, सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोटा कोचिंग संस्थानों पर रोक लगाने से साफ-साफ इनकार कर दिया है और साथ ही मां-बाप पर कड़ी टिप्पणी की है. याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राजस्थान के कोटा में छात्रों की बढ़ती आत्महत्याओं के लिए कोचिंग संस्थानों को दोषी ठहराना उचित नहीं है क्योंकि माता-पिता की उम्मीदें भी बच्चों को अपनी जीवनलीला समाप्त करने के लिए विवश कर रही हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चे अपने मां-बाप की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, जिस वजह से वो आत्महत्या कर रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा और उनके अभिभावकों का दबाव आत्महत्या के बढ़ते मामलों की वजह है. कोटा में इस साल अभी तक 24 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं.

कोटा में निजी कोचिंग संस्थानों के नियमन और उनके लिए न्यूनतम मानक तय करने के लिए कानून बनाने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय बेंच ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समस्या अभिभावकों की है कोचिंग संस्थानों की नहीं. कोर्ट ने कहा है कि हम में से अधिकतर कोचिंग संस्थानों को पसंद करना नहीं चाहेंगे. आजकल परीक्षाएं इतनी प्रतिस्पर्धात्मक हो गई हैं और माता-पिता बच्चों से इतनी ज्यादा उम्मीदें लगा लेते हैं कि बच्चे उन पर खरा नहीं उतर पाते. प्रतियोगी परीक्षाओं में बच्चे आधे अंक या एक अंक से असफल हो जाते हैं...

क्वानू , सैंज और अणु पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा का ज़ोरदार स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 24 नवंबर , उत्तराखंड के जनजातीय क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा का रथ बृहस्पतिवार को चकराता के क्वानू, सैंज और अणु पहुंचा इन स्थानों पर रथ का ग्रामीणों ने फूल मालाओं और पारम्परिक जौनसारी परिधानों के साथ स्वागत किया। इस कार्यक्रम में गन्ना, खद्या आपूति, बिजली, बाल विकास, स्वास्थ्य आदि विभाग उपस्थित रहे। इन विभागों द्वारा कार्यक्रम में स्टॉल्स भी लगाए गए थे, जिससे लोग जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ले कर लाभान्वित हो सकें। संकल्प यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने विकसित भारत बनाने की शपथ भी ली। इस दौरान मौजूद लोगों को मानीनय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत को लेकर संबोधन सुनाया गया।

मेरी कहानी मेरी जुबानी

संकल्प यात्रा के दौरान कई विभाग अपने अपने स्टाल्स लगा कर लोगों को योजनाओं के बारे में जानकारी दे रहे हैं और इस बीच योजनाओं के लाभार्थी अपनी कहानी सुना रहे हैं कि कैसे योजनाओं से लाभ उठा कर उनका जीवन बदल रहा है।

सैंज गांव की श्रीमती बबीता देवी ने बताया कि उज्ज्वल योजना के तहत मिले मुफ़्त गैस कनेक्शन से उन्हें और उनके परिवार को काफ़ी फ़ायदा हुआ है। अब उन्हें धुएँ से छुटकारा मिल गया है और खाना बनाने में उनका समय भी कम लगता है। इसके लिए उन्होंने भारत सरकार को धन्यवाद कहा। इसी प्रकार कुमारी सुमन कोठारी ने बताया कि गौरा देवी योजना के तहत उन्हें मिले इक्यावन हज़ार रुपए से वह आगे की पढ़ाई कर पाएगी। इसके लिए उन्होंने सरकार और विभाग का आभार प्रकट किया। मनरेगा योजना में काम करने वाले श्री मान दास ने बताया कि इस योजना में वह लंबे समय से काम कर रहे हैं और अपने परिवार का जीवन पालन कर रहे हैं। सैंज के ही श्री ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सालाना मिलने वाले 6 हज़ार रुपए से उन्हें किसानी में काफ़ी मदद मिल रही है और इसके लिए उन्होंने सरकार का आभार जताया है।

कोटा क्वानू के श्री खड़कू जो पहले कच्चे मकान में रहते थे उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले पक्के मकान के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया है । इसी गाँव कि श्रीमती सरिता देवी ने बताया कि पहले वह रासायनिक खेती करती थीं लेकिन अब वह पारंपरिक जैविक खेती कर के लाभ कमा रही हैं। यात्रा के कार्यक्रम में लगे पशु पालन विभाग के स्टाल पर पशुपालन से सम्बंधित जानकारी से ग्रामीण लाभान्वित हुए।

मुफ़्त हेल्थ कैंप का लाभ

सैंज और अणु गाँव में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाये गये हेल्थ कैम्प का ग्रामीणों ने लाभ उठाया। कैम्प में ग्रामीणों को ज़रूरी दवाएँ भी चेक अप के दौरान वितरित की गईं । इस दौरान ग्रामीणों की सुगर , हाइपरटेंशन सहित कई टेस्ट्स भी किए गए।

डर्टी DeepFake से सरकार अलर्ट, क्या आप है सतर्क ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डीपफेक टेक्नोलॉजी के खतरे से निपटने के लिए केंद्र सरकार सख्त हो गई है। सरकार जल्द ही कड़े कदम उठाने जा रही है। कहा जा रहा है कि सरकार डीपफेक (DeepFake) को लेकर सरकार कड़े नियम ला सकती है। जिसमें सख्स से सख्त कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों से एक्शन लेने और कड़े कानून बनाने को कहा है। कंपनिया इस दिशा में काम भी कर रही हैं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ बैठक के बाद केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डीपफेक को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा-सरकार रेगुलेशन लाने पर विचार कर रही है। डीपफेक से निपटने जल्द ही नियम बनाए जाएंगे।

डीपफेक पर एक्शन

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, 'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने भी डीपफेक का पता लगाने और एक्शन की बात कही है। कंपनियां 'डीपफेक' का पता लगाने, इससे निपटने, इसकी जानकारी देने और यूजर्स में जागरूकता बढ़ाने पर सहमत हुई हैं। हम आज से ही ड्राफ्ट रेगुलेशन तैयार करने शुरू कर देंगे और कुछ ही समय में हमारे पास डीपफेक से निपटने के लिए नए नियम होंगे।

डीपफेक कैसे काम करते हैं ?

डीपफेक ऐसे वीडियो, ऑडियो या चित्र हैं जिनका उद्देश्य यह दिखाना है कि किसी व्यक्ति ने कुछ ऐसा कहा या किया जो उसने नहीं किया। वे किसी व्यक्ति के मौजूदा मीडिया को सॉफ़्टवेयर प्रोग्रामों में फीड करके बनाए जाते हैं जो एक प्रकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करते हैं जिसे ₹डीप लर्निंग₹ कहा जाता है। एआई अपने विषयों के प्रमुख लक्षण सीखता है, जैसे चेहरे की विशेषताएं, व्यवहार या व्यक्ति के बोलने का तरीका, और यह अन्य लोगों के लक्षण भी सीखता है। यह इस सभी डेटा का उपयोग नई या हेरफेर की गई छवियां, वीडियो या ऑडियो बनाने के लिए करता है। एआई उन लोगों की तस्वीरें भी बना सकता है जो वास्तव में अस्तित्व में नहीं हैं, जिसे जेनेरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क (जीएएन) कहा जाता है।

क्या है डीपफेक विवाद

हाल ही में बॉलीवुड एक्टर-एक्ट्रेस को निशाना बनाने वाले कई डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए गए हैं। जिसको लेकर बड़ी संख्या में लोगों ने नाराजगी जाहिर की है। इस तरह के नकली कंटेंट पर कई तरह के सवाल उठाए गए। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने कहा था कि गरबा खेलते हुए उनका भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो हो रहा, जबकि उन्होंने कभी गरबा खेला ही नहीं है। प्रधानमंत्री ने इसे खतरनाक चीज बताया और गंभीरता से लेने को कहा।

संपादकीय

फिलहाल युद्धविराम

इजरायल और हमास चार दिन के युद्धविराम पर सहमत करा लिए गए हैं। यह सहमति और मध्यस्थता मानवता के हित में है। युद्ध सिर्फ विध्वंस की भाषा ही जानते हैं। गाजा पट्टी की जंग वीभत्स हो गई थी। लेबनान के हिजबुल्लाह और यमन के हूती आतंकवादी भी युद्ध में कूद पड़े थे और इजरायल पर हवाई हमले कर रहे थे। लगातार 46 दिन के युद्ध और विनाश के बावजूद हमास अस्तित्वहीन नहीं हुआ था। युद्धविराम इसलिए भी अनिवार्य था, ताकि मासूम बंधकों को मुक्त कराया जा सके और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाई जा सके। गाजा का ज्यादातर हिस्सा खंडहर बन चुका है। करीब 43,000 इमारतें और अन्य निर्माण ध्वस्त किए जा चुके हैं। 30 स्कूल बर्बाद कर दिए गए हैं और 20 अस्पताल बंद करने पड़े हैं। गाजा से 16 लाख से ज्यादा लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। मानवता के लिए यह किसी गंभीर त्रासदी से कम नहीं है। हमास आतंकियों ने भी करीब 8000 रॉकेट इजरायल के शहरों पर दागे हैं और सेना के टैंकों आदि को 'मलबा' बना दिया है। बेशक इजरायल की सेना ने हमास के कई अहम ठिकानों को 'मिट्टी' कर दिया है, करीब 150 सुरंगों का नेटवर्क भी तोड़ दिया है और कई कमांडरों को ढेर किया है, लेकिन दोनों पक्षों की तरफ 15,300 से अधिक मौतें भी हुई हैं। उन मानवीय चेहरों का क्या कसूर था? इस पूरे संदर्भ में कतर, अमरीका और मिस्र के निर्णायक प्रयासों का आभार है कि इजरायल-हमास के बीच 'फिलहाल अस्थायी युद्धविराम' संभव हो सका है। तुर्किए की कोशिशें भी सार्थक साबित हुई हैं। अब समझौते के मुताबिक, हमास कुल 238 बंधकों में से 50 बच्चों, माताओं, बुजुर्ग महिलाओं को मुक्त करेगा। उधर इजरायल अपनी जेलों में बंद 150 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। यह संख्या 300 तक भी जा सकती है, क्योंकि इजरायल कैबिनेट ने ऐसे 300 कैदियों की सूची बनाई है। यदि बंधक और कैदी ईमानदारी से छोड़े गए, तो युद्धविराम की अवधि बढ़ाई भी जा सकती है। अंततः शांति के स्थिर और टिकाऊ समाधान तक पहुंचा जा सकता है। शांति का यह तो पहला कदम है। सवाल है कि क्या हमास जवाब देगा कि उसके आतंकियों ने बीती 7 अक्तूबर को इजरायल पर अचानक हमला क्यों किया था? क्या वह आतंकवादी हमला नहीं था? आतंकवाद की प्रतिक्रिया में इजरायल को अपनी संप्रभुता की रक्षा करने का क्या अधिकार नहीं है? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और विश्व स्वास्थ्य संगठन इन सवालों का जवाब जरूर दें। बेशक युद्धविराम बढ़ाया जा सकता है, लेकिन हमास ने जिन मासूमों का कत्लेआम किया था, उस बर्बर और दानवी अपराध की सजा क्या होगी? यदि यहीं बात समाप्त हो गई, तो हमास को एक और जीवनदान मिलेगा और उसके आतंकी एक सेना की तरह फिर लामबंद हो सकते हैं। तालिबान की तरह हमास भी किसी देश की हुकूमत तक पहुंच सकते हैं। तालिबान की तरह हमास भी चेहरा बदल कर 'संवैधानिक' और 'सियासी' होने का ढोंग, दुनिया के सामने, रच सकता है। मान्यता भी हासिल कर सकता है, लिहाजा आतंकवाद ही बुनियादी चुनौती है। जी-20 देशों के नेताओं को वर्चुअल तौर पर संबोधित करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद और उसकी गतिविधियों को 'अस्वीकार्य' माना है। यह युद्ध का दौर ही नहीं है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट पहुंचा देहरादून, हरभजन और इरफान पठान की टीम भिड़ेंगी आज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 नवम्बर। पिछले सप्ताह जेएससीए रांची में सफल रन ओवर के बाद लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट आज से देहरादून के प्रशंसकों के लिए प्रतिभा के शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार है। पहला मैच हरभजन सिंह के नेतृत्व में मणिपाल टाइगर्स तथा इरफान पठान के नेतृत्व में भीलवाड़ा किंग्स के बीच खेला जाएगा, जो बेहतरीन फॉर्म में नज़र आ रहे हैं। देहरादून प्रशंसकों के समक्ष बात करते हुए रोबिन उथप्पा ने कहा हम सभी राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलने और अपने प्रशंसकों के मनोरंजन के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। पिछले सालों के दौरान उन्होंने हमेशा हमें समर्थन दिया और मुझे विश्वास है कि एक बार फिर से हमारे सामने पैक्ड स्टेडियम होगा। लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट किसी भी अन्य लीग से अलग है, यह क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को प्रदर्शित कर रहा है।

■ राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे तीन मैच

रांची लैग के समापन के साथ अरबनराइज़र्स हैदराबाद सबसे आगे हैं और मणिपाल टाइगर्स उनके बेहद करीब हैं। सबसे ज़्यादा रनों की बात करें तो लेंडल साइमन्स ने गुजरात जायन्ट्स के खिलाफ़ 99 रनों की शानदार पारी की बदौलत कुल 110 रन बनाए हैं, और क्रिस गेल 90 रन पर हैं। परविंदर अवाना, हामिद हसन, अनुप्रीत सिंह, राहुल शर्मा और रजत भाटिया सभी कुल 4 विकटों के साथ बॉलिंग लीडरबोर्ड में बराबरी पर हैं। मणिपाल टाइगर्स और भीलवाड़ा किंग्स देहरादून लैग की शुरूआत करेंगे, इसके बाद अगले मैच में सदर्न सुपरस्टार्स, डिफेन्डिंग चैम्पियन्स इंडिया कैपिटल्स के साथ मुकाबला करेंगे। देहरादून में एनकोर गुजरात जायन्ट्स और टेबल टॉपर्स, अरबनराइज़र्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। रोबिन उथप्पा, हरभजन सिंह, इरफान पठान, गौतम गंभीर, सुरैश रैना, क्रिस गेल, केविन पीटरसन और रॉस टेलर जैसे लीजेन्ड्स अगले कुछ दिनों में विस्फोटक क्रिकेट का प्रदर्शन करेंगे। सीईओ एवं सह-संस्थापक लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट रमन रहेजा ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि देहरादून का यह चरण भी उतना ही रोमांचक होने वाला है जितना रांची में रहा। हम अपने प्रशंसकों के प्रति आभारी हैं, जिनसे हमें शानदार प्रतिक्रिया मिली है। उम्मीद करते हैं कि सभी मैचों में स्टेडियम पूरी तरह से पैक रहेंगे। मैचों के दौरान दर्शकों को क्रिकेट की अद्भुत प्रतिभा देखने को मिलेगी, जिसे पिछले सालों के दौरान देश भर में खूब पसंद किया गया है। छह टीम का टूर्नामेन्ट लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट भारत के पांच शहरों- रांची, देहरादून, जम्मू, वायज़ाग और सूरत में खेला जा रहा है। इन मैचों का आयोजन 18 नवम्बर से 9 दिसम्बर 2023 के बीच होना है।

कृष्णा क्रिकेट एकेडमी की टीम की शानदार जीत

देहरादून 24 नवंबर। कृष्णा क्रिकेट एकेडमी में आयोजित अंडर - 13 कृष्णा त्रिकोणीय सीरीज का बृहस्पतिवार को दूसरा मैच न्यू एरा क्रिकेट एकेडमी और कृष्णा क्रिकेट एकेडकी के बीच खेला गया। जिसमें कि न्यू एरा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रांजल ने 27 रन की सहायता से न्यू एरा 37.3 ओवरों में 88 रन पर ऑल आउट हो गई। कृष्णा एकेडमी के गेंदबाज धैर्य ने 4 विकेट, आंचल व नीरज ने 2- 2 विकेट लिए। कृष्णा क्रिकेट एकेडमी ने जवाब में हार्दिक राणा 110 रन, विवान शर्मा ने 105 रन नाबाद, वैशवी रावत 37 की सहायता 355 रन का विशाल लक्ष्य बनाकर विजय हासिल की। हार्दिक राणा को मैन ऑफ दी मैच चुना गया। कोच मनेन्द्र रावत ने बताया कि न्यू प्रतिभा को तालशने और तराशने के लिए प्रतियोगिता कराई जा रही है। जिसमें खिलाड़ी शानदार खेल दिखा रहे हैं।

दून पुलिस के पंजे में सोने के लुटेरे, गैंग बेनकाब करेंगे एसएसपी अजय सिंह

घटना के मुख्य अभियुक्त अभिषेक के साथ हिरासत में लिए गए तीन अन्य व्यक्तियों को भी पूछताछ के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 24 नवंबर , रिलायंस ज्वैलरी शोरूम लूट प्रकरण में दून पुलिस द्वारा बिहार के मुजफ्फरपुर में राजेपुर इलाके से घटना में शामिल मुख्य अभियुक्त अखिलेश उर्फ अभिषेक उर्फ गांधी को बाद पूछताछ विधिवत गिरफ्तार कर मौके से तीन अन्य लोगों 1- आशीष कुमार 2- कुंदन कुमार 3- मो0 आदिल को पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया था, जिनसे पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि किसी भी घटना को अंजाम देने से पूर्व गैंग के सरगना द्वारा जेल से अभियुक्त मोहम्मद आदिल के पास अन्य गुर्गों के माध्यम से पैसे भिजवाए जाते थे, जिसके द्वारा कुंदन व अपने अन्य साथियों को उक्त पैसा नगद दिया जाता था, जो उक्त पैसों को हवाला व मोबाइल के माध्यम से घटना में शामिल अभियुक्तों को ऑनलाइन ट्रांसफर करते थे।

देहरादून में हुई घटना के बाद भी अभियुक्त कुंदन द्वारा मुख्य अभियुक्त अभिषेक को 12 नवंबर को 01 लाख रु0 कैश दिया गया था तथा अभियुक्त आशिष द्वारा मुख्य अभियुक्त अभिषेक को घटना के बाद अपने घर मे आश्रय दिया गया था। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को पुलिस द्वारा बिहार में न्यायालय के समक्ष चारो अभियुक्तों को ट्रांजिट रिमांड हेतु पेश किया गया माननीय

- अभियुक्तों से पूछताछ में पुलिस को घटना से जुड़ी कई अहम जानकारियां हुई प्राप्त
- गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा घटना के पूर्व गैंग के लिए की जाती थी फंडिंग की व्यवस्था
- अभियुक्त हवाला तथा फोन के माध्यम से करते थे गैंग के लिए पेमेंट
- चारों अभियुक्तों को बिहार में ट्रांजिट रिमांड हेतु किया गया माननीय न्यायालय में पेश
- चारों अभियुक्तों का माननीय न्यायालय द्वारा किया गया ट्रांजिट रिमांड स्वीकृत लाए जा रहे हैं देहरादून
- अभियुक्त अभिषेक को पश्चिम बंगाल रायगंज में डकैती करने के एवज में प्राप्त हुए थे ₹600000

न्यायालय द्वारा सभी अभियुक्तों का ट्रांजिट रिमांड स्वीकृत किया गया,अभियुक्तों को देहरादून लाया जा रहा है, जिनसे देहरादून में घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जाएगी। मुख्य अभियुक्त अभिषेक द्वारा बताया गया कि अप्रैल 2023 को रायगंज पश्चिम बंगाल में रिलायंस ज्वैलरी शोरूम पर डकैती करने के एवज में गैंग द्वारा उसको ₹600000 दिए गए थे।

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त :-

1- अखिलेश कुमार उर्फ अभिषेक उर्फ गांधी पुत्र स्व वैदनाथ सिंह नि- ग्राम बसंतपुर पोस्ट - मथुरापुर, जिला थाना बाजपटही, जिला सीतामढी, बिहार, उम्र -21 वर्ष

2- कुन्दन कुमार पुत्र कामेश्वर प्रसाद निवासी - विसम्भरापुर पोस्ट - मधुबनी, थाना साहेबगज, जिला मुज्जफरपुर, बिहार, उम- 27 वर्ष

3- मोहम्मद आदिल खान पुत्र स्व0 मतलूब असगर नि0 - मौहल्ला मिल्लट नगर स्टार computer Intitute के सामने फुलवारी शरीफ थाना फुलवारी शरीफ, पटना, बिहार उम्र -29 वर्ष

4- आशीष कुमार पुत्र सुनील सिंहनि0 बल्थी नरसिंह, थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर, बिहार, उम्र 23 वर्ष

अपनी जड़ों से जोड़ता है इगास : पूरण सिंह कठैत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 24 नवंबर , उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय कार्यालय में इगास-बग्वाल के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने लोक संस्कृति की सप्तरंगी छटा बिखेरी। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ हर कोई झूमते-नाचते भैलो खेलने लगा। इस मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष पूरण सिंह कठैत ने कहा कि इगास/बग्वाल हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। हमें अपने पारंपरिक त्योहार और अपनी संस्कृति को संरक्षित और संवर्द्धित करना चाहिए।

यूकेडी केंद्रीय कार्यालय में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

केंद्रीय अध्यक्ष ने कहा कि इगास पर्व का सीधा संबंध वीरभड्ड माधो सिंह भंडारी की वीर विजय गाथा से जुड़ा है। 16 वीं शताब्दि में दापाघाट के युद्ध में गढ़वाल की सेना द्वारा तिब्बती सेना को पराजित किया गया था।जिस वक्त ये युद्ध चल रहा था उस वक्त दीपावली का त्यौहार था और गढ़वाल की सेना युद्ध में लगी थी दिवाली के ठीक 11 दिन बाद वीरभड्ड माधो सिंह भंडारी के नेतृत्व में गढ़वाल की सेना तिब्बत पर विजय होकर लौटी। जिसके बाद सभी घरों में दिवाली इगास पर्व के रूप में धूमधाम से मनाई गई। पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष और पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी ने सभी से अपनी लोक संस्कृति एवं लोक परम्पराओं को आगे बढ़ाने में सहयोगी बनने की अपील की। इगास जैसे त्योहार हमें एकसूत्र में बांधते हैं।

कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय महामंत्री विजय बौड़ाई ने किया। इस मौके पर केंद्रीय महामंत्री कर्नल (रि) सुनील कोटनाला, सुनील ध्यानी, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश ध्यानी, कुंवर प्रताप, विजेंद्र रावत, बहादुर सिंह रावत, जयप्रकाश उपाध्याय, प्रमिला रावत, राजेन्द्र बिष्ट, विपिन रावत, मीनाक्षी घिल्डियाल, उषा चौहान, केन्द्रपाल सिंह तोपवाल, चंद्रमोहन गड़िया, प्रमोद काला दिनेश सेमवाल, योगी पंवार, किरन रावत, दीपक रावत, नैना लखेड़ा, मनोज ध्यानी, बिलास गौड़, आरके सांख्यधर, राजेश्वरी रावत, बाचस्पति भट्ट, सचिन थपलियाल, सूबेदार मेजर (रि) महिपाल सिंह पुंडीर, कैप्टन सुरेन्द्र रावत, सूबेदार मनबर पटवाल, सूबेदार जीत सिंह गुसाईं, नेहा उनियाल, याग्निक उनियाल, रेखारानी, मनबर सिंह, सुमित्रा देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

72 दिन का प्रशिक्षण दिलाएगा 100 प्रतिशत रोजगार : शादाब शम्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 नवंबर। उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड ने आईसीआईसीआई फाउंडेशन के साथ मिल नौजवानों को रोजगार के अवसर मुहय्या कराने के लिये एक व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। जिसके तहत प्रथम चरण में देहरादून के 100 छात्रों को तीन माह का व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर बैंकों व अन्य कम्पनियों में प्लेमेंट दिलाया जाएगा।

बृहस्पतिवार को देहरादून स्थित ब्रांच आईसीआईसीआई फाउंडेशन द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुभारंभ के दौरान उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिये उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड ने आईसीआईसीआई फाउंडेशन के साथ करार किया है। आईसीआईसीआई फाउंडेशन युवाओं को 72 दिन का व्यवसायिक प्रशिक्षण देगा, शत-प्रतिशत जॉब गारंटी रहेगी, सभी प्रशिक्षण युवाओं को नौकरी दिलाई जाएगी। प्रशिक्षण के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हाथों से प्रमाण पत्र व नौकरी के सर्टिफिकेट दिये जाएंगे। अभी देहरादून से इस व्यवसायिक प्रशिक्षण की शुरूआत की गई है, अभी हिरद्वार, उधमसिंह नगर और नैनीताल में भी इस प्रकार के सेंटर प्रारंभ होंगे। शम्स ने छात्रों से कहा कि आपको एक मौका मिला हैं, यह मौका आप का जीवन बदलने का अवसर हैं। इस अवसर का लाभ उठाना है और प्रदेश के विकास में अपना योगदान देना है।

अपर सचिव वन व वक्फ बोर्ड सदस्य कहकशा नसीम ने कहा की जब तक महिलाए आत्मर्निभर नही होगा, महिलाओं का सतिश्क्तकरण नही होगा। उन्होने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप की जिम्मेदारी ज्यादा हैं, आप से आशा हैं की आप हमे निराश नहीं करेंगे। आईसीआईसीआई फाउंडेशन के ब्रांच मैनेजर अमित सिन्हा ने कहा कि बच्चों को प्रशिक्षण दे कर रोजगार में मौके उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों का जीवन बदलने के लिए काम किया जाएगा। कहा कि वैसे तो यह प्रशिक्षण 72 दिनों का है, मगर 50 दिन के प्रशिक्षण के आद ही जॉब दिला दी जाएगी, प्रतिभागियों के पास मौका होगा कि वह दून में जॉब करे या बाहर। इस मौके पर उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सय्यद शिराज़ उस्मान, धामावाला मस्जिद के प्रशासक गुलफाम शैख, नावेद अली, बोर्ड के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

- वक्फ बोर्ड आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने शुरू किया प्रशिक्षण कार्यक्रम